DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 April, 2024

निजी संपत्ति का पुनर्वितरण

संदर्भ: *उच्चतम न्यायलय ने हाल ही में इस मामले पर सुनवाई शुरू की, कि क्या सरकार किसी निजी स्वामित्व वाली संपत्तियों को ले सकती है और पुनर्वितरित कर सकती है यदि उन्हें समुदाय के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।*

➢ **पृष्ठभूमि:**

- यह मामला इस बात को रेखांकित करता है, कि क्या सरकार संविधान के अनुच्छेद 39 (b) के तहत निजी स्वामित्व वाली संपत्तियों का अधिग्रहण और पुनर्वितरण कर सकती है।
- अनुच्छेद 39(b) संविधान के भाग IV के अंतर्गत आता है, जिसे राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत (DPSP) के रूप में जाना जाता है।

➢ **महत्वपूर्ण तर्क:**

- न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर ने तर्क दिया कि निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को समुदाय के भौतिक संसाधन माना जाना चाहिए।
- उनकी व्याख्या को महत्व मिला और बाद में उच्चतम न्यायलय ने बाद के मामलों में इसकी पुष्टि की।

➢ **मामले का अवलोकन - अर्जित संपत्ति विवाद:**

- यह विवाद मुंबई में 'सेस्ड' संपत्तियों के मालिकों द्वारा महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट (MHADA) में 1986 के संशोधन को चुनौती देने से उत्पन्न हुआ।
- संशोधन में अनुच्छेद 39(b) के तहत संपत्तियों के अधिग्रहण को जरूरतमंद व्यक्तियों को हस्तांतरित करने की अनुमति दी गई।

➢ **कानूनी यात्रा:**

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 31(c) का हवाला देते हुए कानून को बरकरार रखा।
- इसके बाद 1992 में इस मामले की अपील उच्चतम न्यायलय में की गई, जिसने इसे पुनर्विचार के लिए बड़ी बेंच के पास भेज दिया।
- वर्ष 2002 में सात जजों की बेंच ने अनुच्छेद 39(b) की व्यापक व्याख्या पर आपत्ति जताई और मामले को नौ जजों की बेंच के पास भेज दिया।

➢ **अनुच्छेद 39:**

- **आजीविका का अधिकार:** यह सुनिश्चित करता है, कि लिंग की परवाह किए बिना सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों।
- **संसाधनों का वितरण**: यह सुनिश्चित करता है, कि सामुदायिक संसाधनों के स्वामित्व और नियंत्रण से जनसाधारण को लाभ हो।
- **धन वितरण:** यह सुनिश्चित करता है, कि आर्थिक प्रणाली को समाज की हानि के लिए धन और उत्पादन के साधनों पर केंद्रित करने से रोकें।
- **समान वेतन:** पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना।
- **श्रमिक सुरक्षा:** श्रमिकों के स्वास्थ्य और ताकत की रक्षा करना, और आर्थिक परिस्थितियों में नागरिकों को अनुपयुक्त नौकरी करने के लिए मजबूर किया जा सके; इस बात का ध्यान रखना।
- **बाल कल्याण**: बच्चों को शोषण और परित्याग से बचाते हुए, स्वतंत्रता और सम्मान के साथ स्वस्थ परिस्थितियों में बड़े होने के अवसर और सुविधाएं प्रदान करना।

एशिया में जलवायु की स्थिति 2023

संदर्भ*: जलवायु संबंधी हालिया दो रिपोर्टें वैश्विक जलवायु प्रभावों का सामना करने में विकसित देशों की विफलता को उजागर करती हैं, विशेष रूप से एशिया में, जिसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने दुनिया की 'आपदा राजधानी' के रूप में चिन्हित किया है।*

➢ **एशिया में जलवायु प्रभाव:**

- वर्ष 2023 में, एशिया ने वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक आपदाओं का अनुभव किया, साथ ही बाढ़ और तूफान के कारण यहाँ सबसे अधिक मौतें और आर्थिक नुकसान हुई हैं।
- इस सन्दर्भ में पूर्वी और उत्तरी भारत में लू का प्रकोप तेज़ हो गया और तापमान रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गया।

➢ **समुद्र स्तर में वृद्धि और तापमान के रुझान:**

- बंगाल की खाड़ी में समुद्र के स्तर में होनेवाली वृद्धि वैश्विक औसत से लगभग 30% अधिक है।
- पूर्वी और उत्तरी भारत में तापमान में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई।

➢ **जलवायु रुझान में तेजी:**

- दीर्घकालिक ग्लोबल वार्मिंग की प्रवृत्ति तेज हो रही है, जिससे गंभीर गर्मी की लहरें उत्पन्न हो रही हैं, ग्लेशियर पिघल रहे हैं और जल सुरक्षा को खतरा हो रहा है।
- समुद्र की सतह का तापमान और समुद्र की गर्मी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है, जिससे जलवायु पर प्रभाव बढ़ रहा है।

➢ **ग्लेशियरों और उच्च पर्वतीय एशिया पर प्रभाव:**

- तिब्बती पठार सहित उच्च पर्वतीय एशिया क्षेत्र में ग्लेशियर उच्चतम तापमान और शुष्क परिस्थितियों के कारण तेजी से पिघल रहे हैं।
- जलवायु परिवर्तन ने हिमनद झील विस्फोट ने बाढ़ (GLOF) को निरंतर बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे सिक्किम और उत्तरी पश्चिम बंगाल जैसे क्षेत्रों में कई मौतें हुई।

➢ **महासागर का गर्म होना और समुद्री हीटवेव:**

- बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण महासागरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे वैश्विक समुद्र-स्तर में वृद्धि हुई है और महासागरीय धाराओं में बदलाव आया है।
- समुद्री गर्मी की लहरें, विशेष रूप से आर्कटिक महासागर, पूर्वी अरब सागर और उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में, कई महीनों तक चली हैं, जिससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हुआ है।

➢ **वर्षा पैटर्न और बाढ़ की घटनाएँ:**

- एशिया के कई हिस्सों में वर्षा का स्तर सामान्य से नीचे था, जिससे सूखे की स्थिति पैदा हो गई।
- कुल मिलाकर कम वर्षा के बावजूद, बाढ़ और तूफान 2023 में मौतों और आर्थिक नुकसान के प्रमुख कारण थे, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए।

➢ **क्षेत्रीय प्रभाव और लू से होने वाली मौतें:**

- भारत में अप्रैल और जून में भीषण गर्मी पड़ी, जिसके परिणामस्वरूप लू से कई मौतें हुई।
- भारत के कुछ क्षेत्रों, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और उत्तरी राज्यों में, 1991-2021 के औसत की तुलना में औसत तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- बंगाल की खाड़ी में समुद्र का स्तर वैश्विक औसत से अधिक हो गया है, जिससे पश्चिम बंगाल में सुंदरवन जैसे तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा बढ़ गया है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

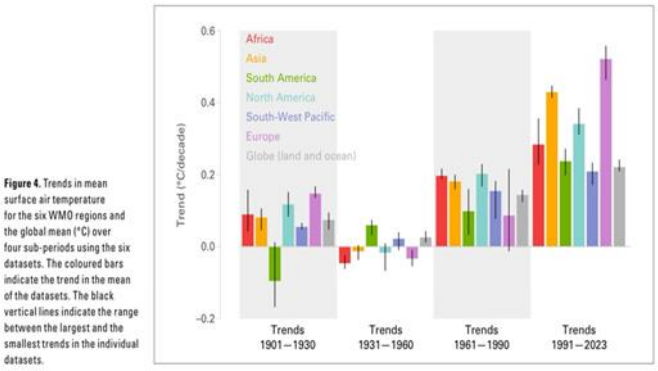

Figure 4. Trends in mean surface air temperature for the six WMO regions and the global mean (°C) over four sub-periods using the six datasets. The coloured bars indicate the trend in the mean of the datasets. The black vertical lines indicate the range between the largest and the smallest trends in the individual datasets.

सिम्पैथेटिक सोलर फ्लेयर
(Sympathetic Solar Flares)

संदर्भ: *हाल ही में एक दुर्लभ खगोलीय घटना घटी, जब एक साथ चार सौर ज्वालाएँ फूटीं, जो संभावित रूप से सूर्य के गतिशील 11-वर्षीय चक्र की शुरुआत का संकेत दे रही थीं।*

➢ **सिम्पैथेटिक सौर ज्वालाएँ:**

- नासा की सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने सूर्य के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ सिम्पैथेटिक सौर ज्वालाओं के दुर्लभ दृश्य को कैप्चर किया है।
- इस घटना से तीन सनस्पॉट और एक बड़े चुंबकीय फिलामेंट से उत्पन्न होने वाले विस्फोटों के कारण होने वाली जटिल चुंबकीय घटनाओं का पता चला।

➢ **विशेषताएँ:**

- उक्त चार भागों का विस्फोट 23 अप्रैल को लगभग 1 बजे EDT के आसपास शुरू हुआ, जिसने पृथ्वी के सामने सौर सतह के लगभग एक तिहाई हिस्से को कवर किया।
- व्यापक दूरी पर होने के बावजूद, यह विस्फोट स्थल सौर सतह के ऊपर विशाल चुंबकीय क्षेत्र लूप द्वारा जुड़े हुए थे।

➢ **सिम्पैथेटिक ज्वालाओं की व्याख्या:**

- सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र में कई विस्फोटों के कारण इस प्रकार की सिम्पैथेटिक ज्वालाएँ उत्पन्न होती हैं, जिनमें से एक विस्फोट से कई अन्य विस्फोट होते हैं।
- इस घटना में कोरोनल मास इजेक्शन (CME) और प्लाज्मा का बड़े पैमाने पर विस्फोट होता है।

➢ **सिम्पैथेटिक ज्वालाओं का महत्व और सौर चक्र:**

- इस प्रकार की सौर गतिविधि से पता चलता है, कि सूर्य अपने 11 वर्ष के सौर चक्र के चरम के करीब है, जिसे सौर अधिकतम के रूप में जाना जाता है।
- सिम्पैथेटिक सौर ज्वालाओं और कोरोनल मास इजेक्शन जैसी बढ़ी हुई सौर घटनाएँ इस चरम अवस्था को चिह्नित करती हैं, जो सूर्य के जटिल जीवन चक्र के अध्ययन में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

➢ **सिम्पैथेटिक सौर घटना की दुर्लभ प्रकृति:**

- एक साथ चार सिम्पैथेटिक सौर ज्वालाओं की घटना असामान्य है, जो इस घटना को "अति-सिम्पैथेटिक" बनाती है।

➢ **पृथ्वी पर संभावित प्रभाव:**

- यदि इस परिघटना को पृथ्वी की ओर निर्देशित किया जाता है, तो सहानुभूतिपूर्ण ज्वालाओं में पावर ग्रिड, दूरसंचार नेटवर्क और उपग्रहों को बाधित करने की क्षमता बढ़ जाती है।
- इसके अलावा अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खतरनाक विकिरण का संपर्क भी एक चिंता का विषय है।
- इस प्रकार के भू-चुंबकीय तूफानों के परिणामस्वरूप 25 अप्रैल और 26 अप्रैल के आसपास निचले अक्षांशों पर अरोरा दिखाई दे सकता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग

भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग
Indian Historical Records Commission
यत्र इतिहासं भविष्यायां संरक्षित:

हाल ही में, भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग (आईएचआरसी) ने एक नया लोगो और आदर्श वाक्य अपनाया है, जिसमें दिल्ली के शौर्य प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत विजयी डिजाइन को चुना गया है।

भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग के बारे में:

- अभिलेखों के प्रबंधन और ऐतिहासिक अनुसंधान और उनके उपयोग पर सलाह देने के लिए भारत सरकार द्वारा 1919 में भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग (IHRC) की स्थापना की गई थी।
- यह रिकॉर्ड निर्माताओं, संरक्षकों और उपयोगकर्ताओं का एक अखिल भारतीय मंच है।
- इसकी जिम्मेदारियों में ऐतिहासिक अध्ययन करना, दस्तावेजों को सूचीबद्ध करना, कैलेंडरिंग और पुनर्मुद्रण करने के पैमाने और योजना पर सिफारिशें करना शामिल है।
- इसका नेतृत्व केंद्रीय संस्कृति मंत्री करते हैं और नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार इसका सचिवालय है।
- भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) भारत सरकार के गैर-वर्तमान अभिलेखों का एक भंडार है, जिसे विद्वानों और प्रशासकों के उपयोग के लिए ट्रस्ट में रखा जाता है।
- एनएआई की संपत्ति 1748 की है और इसमें चार श्रेणियों के रिकॉर्ड शामिल हैं: सार्वजनिक रिकॉर्ड, प्राच्य रिकॉर्ड, पांडुलिपियां और निजी कागजात।
- रिकॉर्ड अंग्रेजी, अरबी, हिंदी, फ़ारसी, संस्कृत और उर्दू सहित विभिन्न भाषाओं में हैं और कागज, ताड़ के पत्ते, सन्टी की छाल और चर्मपत्र जैसी सामग्रियों से बनाए गए हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 April, 2024

डोंगरिया कोंध जनजाति

हाल ही में, ओडिशा में डोंगरिया कोंध जनजाति पारसिली गांव में एकत्र हुई, और चुनाव में भाग लेने पर विचार करने से पहले नियमगिरि पहाड़ियों में बॉक्साइट खनन योजना का विरोध करने से जुड़े नक्सली मामलों से अपना नाम हटाने को प्राथमिकता दी।

डोंगरिया कोंध जनजाति के बारे में:

- डोंगरिया कोंध ओडिशा के रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों का एक विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (पीवीटीजी) है।
- वे मुंडा जातीय समूह के कोंधों का एक आदिम उपसमूह हैं जो ओडिशा की नियमगिरि पहाड़ियों में रहते हैं।
- वे अपनी पारंपरिक हथकरघा और डोंगरिया साड़ियों के लिए जाने जाते हैं।
- वे नियमगिरि जंगल के सर्वोच्च देवता नियम राजा की पूजा करते हैं और मानते हैं कि वे उनके शाही वंशज हैं।
- डोंगरिया कोंध बागवानी और झूम खेती करते हैं।
- नियमगिरि के लोग कुई भाषा बोलते हैं, जो मुख्य रूप से कोंध समुदाय के बीच बोली जाती है लेकिन लिखी नहीं जाती है।
- वे फरवरी-मार्च में लोकप्रिय पोधा त्यौहार को नए कपड़ों और बड़ी मात्रा में सलप रस के साथ मनाते हैं, जो सलप पेड़ से निकाले गए रस से तैयार किया जाने वाला पेय है।
- डोंगरिया कोंध क्षेत्र में खनन अधिकारों को लेकर विवाद के केंद्र में रहा है। उदाहरण के लिए, वेदांत रिसोर्सेज ने पहाड़ियों की सतह के नीचे मौजूद अनुमानित 2 बिलियन डॉलर के बॉक्साइट को निकालने और एक खुली खदान बनाने की योजना बनाई, जो कि नियम डोंगर का उल्लंघन करती, इसकी नदियों को बाधित करती है।

पॉलीप्रोपाइलीन कणिकाएँ

पॉलीप्रोपाइलीन कणिकाओं के बारे में:

- पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) ग्रैन्यूल एक प्रकार का थर्मोप्लास्टिक पॉलिमर है जो प्रोपलीन मोनोमर्स से प्राप्त होता है।
- उनके बहुमुखी गुणों के कारण उनका उपयोग प्रायः विभिन्न उद्योगों में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण के लिए किया जाता है।
- उनमें उच्च कठोरता, अच्छा रासायनिक प्रतिरोध और उत्कृष्ट ताप प्रतिरोध जैसे गुण होते हैं।
- इनका उपयोग पैकेजिंग सामग्री, ऑटोमोटिव पार्ट्स, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों और उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है।
- इन्हें नियंत्रित परिस्थितियों में उत्प्रेरकों का उपयोग करके प्रोपलीन मोनोमर्स के पोलीमराइजेशन के माध्यम से उत्पादित किया जाता है।
- पोलीमराइजेशन प्रक्रिया गैस, घोल या ठोस-चरण रिएक्टरों में हो सकती है, जिसके बाद एक समान छर्रों का उत्पादन करने के लिए दानेदार बनाना होता है।
- पॉलीप्रोपाइलीन को एक पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक माना जाता है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पीपी कणिकाओं को पुनर्चक्रित करने के प्रयास किए जाते हैं।
- पीपी ग्रैन्यूल्स का व्यापार विश्व स्तर पर होता है जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित प्रमुख उत्पादक शामिल हैं।

मैकेरेल मछली

मैकेरल मछली के बारे में:

- मैकेरल एक प्रकार की तैलीय मछली है जो अपनी उच्च पोषण सामग्री के लिए जानी जाती है।
- यह पॉलीअनसेचुरेटेड ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन (ए, डी, ई) और सूक्ष्म पोषक तत्व (मैग्नीशियम, सेलेनियम, आयोडीन) से भरपूर है।
- मैकेरल का सेवन हृदय रोगों, मेटाबोलिक सिंड्रोम और अन्य स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को कम करने से जुड़ा है।
- मैकेरल में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड अपने सूजन-रोधी गुणों के लिए जाना जाता है और मस्तिष्क के स्वास्थ्य में सहायता करता है।
- यह मछली सामान्यतः प्लवक बहुतायत मौसम में पाई जाती है जिससे उच्च वसा सामग्री और स्वाद सुनिश्चित होता है।
- मछली पकड़ने के स्थायी तरीकों, जैसे सीन फिशिंग, को बायकैच को कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए नियोजित किया जाता है।
- मैकेरल विभिन्न प्रकार की पाक तैयारियों के लिए उपयुक्त है, जिसमें ग्रिलिंग, बेकिंग, स्मोकिंग और अचार बनाना शामिल है।

आंत्र सूजन रोग

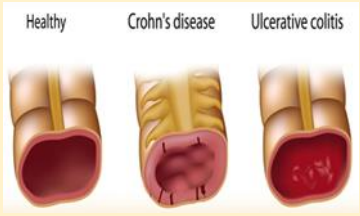

हाल ही में, डॉक्टर दुनिया भर में आंत्र सूजन रोग (आईबीडी) की बढ़ती घटनाओं के बारे में चिंतित हो गए हैं।

आंत्र सूजन रोग के बारे में:

- आंत्र सूजन रोग (आईबीडी) एक पुरानी सूजन वाली स्थिति है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) पथ को प्रभावित करती है।
- इसमें दो स्थितियां शामिल हैं, क्रोहन रोग (सीडी) और अल्सरेटिव कोलाइटिस (यूसी), जो जीआई पथ की पुरानी सूजन की विशेषता है।
- आईबीडी के विकास या बिगड़ने में योगदान देने वाले कारकों में आहार, आयु, पारिवारिक इतिहास, सिगरेट धूम्रपान और कुछ दवाएं शामिल हैं।
- लक्षणों में दस्त, पेट में दर्द और मल में खून आना शामिल है जो दो सप्ताह से अधिक समय तक जारी रहता है।
- आईबीडी के विकास के जोखिम को कम करने के लिए, ऐसी जीवनशैली अपनाएं जिसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज करना, फलों और सब्जियों से भरपूर भूमध्यसागरीय शैली का आहार खाना, पर्याप्त नींद लेना, एंटीबायोटिक दवाओं के संपर्क को सीमित करना, धूम्रपान से बचना और तनाव और चिंता का प्रबंधन करना शामिल है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

जापान

हाल ही में, निरस्त्रीकरण, अप्रसार और निर्यात नियंत्रण पर भारत-जापान परामर्श का 10वां दौर टोक्यो में आयोजित किया गया।

जापान (राजधानी: टोक्यो)

अवस्थिति: जापान पूर्वी एशिया में एक द्वीप देश है।

भौगोलिक सीमाएँ:

- जापान प्रशांत महासागर (पूर्व), जापान सागर (पश्चिम), ओखोटस्क सागर (उत्तर) और पूर्वी चीन सागर (दक्षिण पश्चिम) से घिरा हुआ है।
- यह चीन, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, रूस, उत्तरी मारियाना द्वीप और ताइवान के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- देश के उत्तर से दक्षिण तक पांच मुख्य द्वीप होक्काइडो, होंशू, शिकोकू, क्यूशू और ओकिनावा हैं।
- देश रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है और भूकंप, सुनामी तथा ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा है।
- माउंट फूजी, या फूजी-सान, जापान का सबसे ऊंचा और सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस देश ने बाघ संरक्षण गठबंधन के साथ 'टाइगर लैंडस्केप्स के लिए सतत वित्त' सम्मेलन की मेजबानी की? – **भूटान (भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, कंबोडिया, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड ने भाग लिया)**
- खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्थापित भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) की देखरेख कौन सा मंत्रालय करता है? – **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
- भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) की स्थापना कब हुई थी? – **1997 में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 द्वारा**
- किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 244 (A) को भारतीय संविधान में शामिल किया? – **22वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम**
- यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) द्वारा 2016 में कौन सा संगठन गठित किया गया था?
  – **खाद्य संकट के खिलाफ वैश्विक नेटवर्क (GNAFC)**